हिंदी की पहली प्रामाणिक कहानी मानी गई है 'एक टोकरी भर मिट्टी'

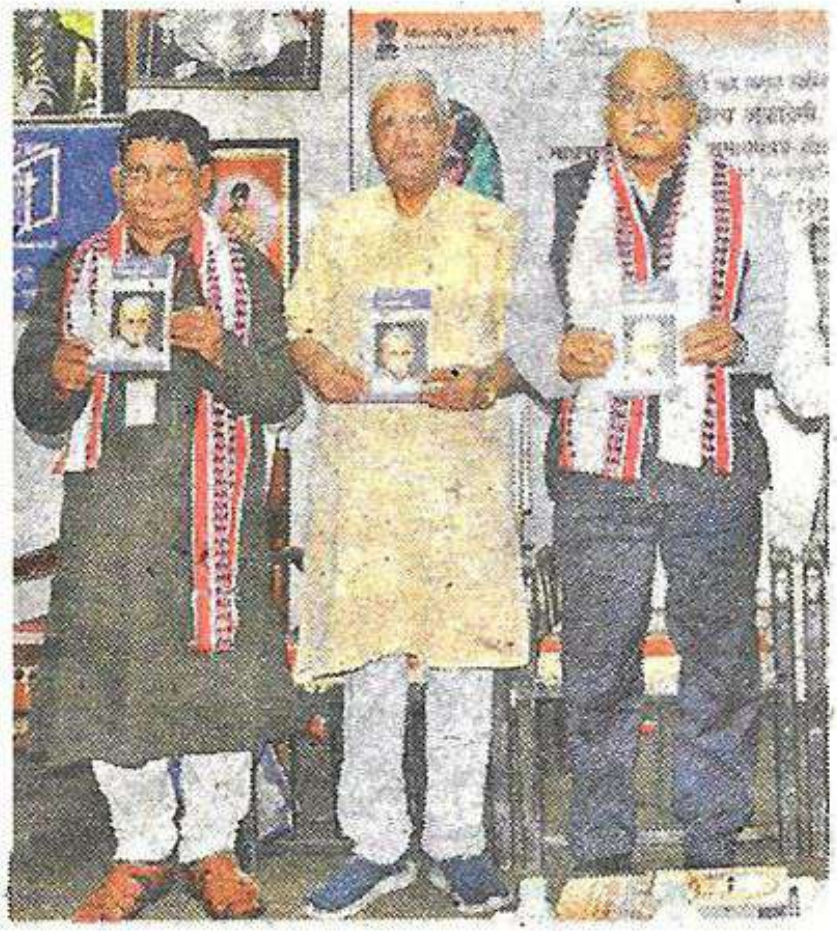

भोपाल| सप्रे जी का समय भारत को नई पहचान देने वाला है। उन्हें हम हिंदी का प्रारंभिक उन्नायक भी कह सकतें हैं। उनकी कहानी 'एक टोकरी भर मिट्टी' हिंदी की पहली प्रामाणिक कहानी मानी गई है। इसे हम प्रेमचंद के उपन्यास रंगभूमि की आधार भूमि भी कह सकते हैं। यह बात सोमवार को माधवराव सप्रे संग्रहालय में प्रो. चितरंजन मिश्र ने कही। वे यहां आयोजित राष्ट्रीय परिसंवाद 'माधवराव सप्रे और उनका युग' में बोल रहे थे। विशेष अतिथि अजय शर्मा ने कहा कि सप्रे जी ने स्वाधीनता आंदोलन के लिए एक तरह का जनमानस तैयार किया था। इसके पूर्व सप्रे संग्रहालय के संस्थापक-संयोजक विजयदत्त श्रीधर ने कहा कि यह वर्ष सप्रे जी का 150 वां जन्म वर्ष है। साहित्य अकादमी नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित डा. सुशील त्रिवेदी के मोनोग्राफ 'माधवराव सप्रे' का विमोचन भी किया गया।